Roll No. ……..

BAJY–302

मेलापक एवं विवाह मुहूर्त्त विचार

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी. ए.—12/16/17

तृतीय वर्ष, सत्र 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. विवाह मुहूर्त्त के दस दोषों को लिखते हुए उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. द्विरागमन मुहूर्त्त का विवेचन कीजिए।
3. विवाह संस्कार में उपयुक्त मास एवं मुहूर्त्त का विवेचन कीजिए।
4. अष्टकूटों के नाम एवं गुणों को लिखते हुए भकूट का विस्तृत विवेचन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. विवाह संस्कार में मेलापक के उद्देश्यों को लिखिए।
2. कन्या वरण मुहूर्त्त को लिखिए।
3. त्रिबल शुद्धि का वर्णन कीजिए।
4. प्रश्न लग्न से विवाह योग को लिखिए।
5. वैधव्य योग परिहार को लिखिए।
6. वर्ण विचार को लिखिए।
7. विवाह मेलापक में तारा का विचार कैसे करते हैं ? लिखिए।
8. वधू प्रवेश काल का विवेचन कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

1. प्रश्न लग्न से छठे अथवा आठवें भाव में चन्द्रमा हो तो स्त्री वैधव्य प्राप्त करती है :
   (i) 10वें वर्ष में
   (ii) 16वें वर्ष में
   (iii) 8वें वर्ष में
   (iv) 5वें वर्ष में

2. गुरु ग्रह के मित्र हैं :
   (i) सूर्य
   (ii) शनि
   (iii) शुक्र
   (iv) उपर्युक्त सभी
3. वर्ण की गुण संख्या है :
   (i) 1
   (ii) 3
   (iii) 4
   (iv) 8
4. कन्या का विवाह शुभ होता है :
   (i) गुरु की शुद्धि होने पर
   (ii) शुक्र की शुद्धि होने पर
   (iii) बुध की शुद्धि होने पर
   (iv) सूर्य की शुद्धि होने पर
5. वृश्चिक राशिगत सूर्य हो तो कार्तिक में शुभ होता है :
   (i) उपनयन संस्कार
   (ii) विवाह संस्कार
   (iii) मुण्डन
   (iv) वधू प्रवेश
6. तारा की गुण संख्या है :
   (i) 2
   (ii) 5
   (iii) 3
   (iv) 8

7. गण की गुण संख्या है :

(i) 7

(ii) 5

(iii) 6

(iv) 4

8. वधू प्रवेश शुभ होता है :

(i) 20 दिनों के भीतर

(ii) 16 दिनों के भीतर

(iii) 40 दिनों के भीतर

(iv) कभी भी

9. वधू प्रवेश शुभ नहीं होता है :

(i) 1, 2, 3 तिथियों में

(ii) 5, 6, 7 तिथियों में

(iii) 4, 9, 14 तिथियों में

(iv) इनमें से कोई भी नहीं

10. नवविवाहिता स्त्री को पति गृह नहीं जाना चाहिए :

(i) शुक्र के सम्मुख होने पर

(ii) गुरु के सम्मुख होने पर

(iii) चन्द्रमा के सम्मुख होने पर

(iv) सूर्य के सम्मुख होने पर